Naidunia (Indore), 13th November 2025, Naidunia City, Page-I

'बुद्धि को विकसित करती प्रौद्योगिकी चेतना का विकास अद्वैत दर्शन से'

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर का परिसर बुधवार को एक अद्वितीय दार्शनिक और सांस्कृतिक संवाद का साक्षी बना, जब आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, संस्कृति विभाग, मध्य प्रदेश शासन के तत्वावधान में 'अद्वैतः भावी विश्व का दर्शन' विषय पर प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के केंद्र में रहे पद्मश्री आचार्य जोनास मसेट्टी, जो ब्राजील से आए प्रतिष्ठित वेदांत अध्येता एवं स्वामी दयानंद सरस्वती के शिष्य हैं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि 'अद्वैत' केवल एक दार्शनिक विचार नहीं, बल्कि जीवन जीने की वह कला है जो व्यक्ति को बाहरी उपलब्धियों के बीच भी आंतरिक शांति और एकत्व का अनुभव कराती है। उन्होंने युवाओं को संदेश दिया कि प्रौद्योगिकी मानव की बुद्धि को विकसित करती है, जबकि अद्वैत दर्शन उसकी चेतना को। जोनास मसेट्टी ने बताया कि उन्होंने भारत में कोयंबटूर स्थित आर्ष विद्या गुरुकुलम् में वर्षों तक अध्ययन किया और बाद में ब्राजील के रियो डी जेनेरो में विश्व विद्या गुरुकुलम् की स्थापना की, जहां अब तक 2.5 लाख से अधिक विद्यार्थियों को वेदांत की शिक्षा दी जा चुकी है।

कार्यक्रम में पद्मश्री आचार्य जोनास मसेट्टी का स्वागत करते पदाधिकारी। • सौजन्य

कार्यक्रम में स्वामी शुद्धिदानंद, अध्यक्ष अद्वैत आश्रम मायावती और स्वामिनी सद्विद्यानंद सरस्वती की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। स्वामी शुद्धिदानंद ने कहा कि विज्ञान और अध्यात्म का संगम ही सच्चे ज्ञान की नींव है। सांस्कृतिक सत्र में संगीतकार राहुल आर. वेल्लाल ने टीम के साथ ऐसी मधुर प्रस्तुतियां दीं, जिन्होंने वातावरण को दिव्यता और सुरों की लहरियों से भर दिया। राहुल को हाल ही में ग्लोबल चाइल्ड प्रोडिजी अवार्ड सहित कई सम्मान प्राप्त हुए हैं। कार्यक्रम में आइआइटी इंदौर के कार्यवाहक निदेशक प्रो. संदीप चौधरी, प्रो. गण्टि एस. मूर्ति, संकाय सदस्य, अधिकारी, विद्यार्थी उपस्थित रहे।